# CIJ–02

## December – Examination 2021

# Certificate in Falit–Jyotish Examination

## फलित ज्योतिष में प्रमाण-पत्र

## ज्योतिष द्वारा फलादेश की विधि

## Paper : CIJ-02

*Time : 1½ Hours* ] [ *Maximum Marks : **100***

**निर्देश :-** यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**खण्ड—अ** **5×4=20**

**(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।

1. (i) संवत्सर किसे कहते हैं ?

   (ii) दैवीय ऋतुओं के नाम लिखिए।

(iii) चान्द्रमास किसे कहते हैं ?

(iv) शुक्ल पक्ष किसे कहा जाता है ?

(v) पूर्णिमा के भेदों के नाम लिखिए।

(vi) प्रतिपदा तिथि को कौनसा पदार्थ अशुभफल नाशक है ?

(vii) शीतलाष्टमी कब मनायी जाती है ?

(viii) शुक्रवार के देवता कौन है ?

(ix) पंचक नक्षत्रों के नाम लिखिए।

(x) स्थिरकरणों के नाम लिखिए।

**खण्ड—ब** **4×20=80**

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :-** किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2. अयन किसे कहते हैं ? उत्तरायण एवं दक्षिणायन में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

3. मलमास में करणीय व अकरणीय कर्मों का उल्लेख कीजिए।



4. मन्वादि तिथियों का उल्लेख कीजिए।

5. गण्डान्त विचार पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

6. मूलनक्षत्रों को संक्षेप में समझाइए।

7. सूर्योदय एवं सूर्यास्त साधन विधि का वर्णन कीजिए।

8. विंशोत्तरी दशा पर एक लेख लिखिए।

9. योगिनी दशा का विशद वर्णन कीजिए।